सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप

Web: www.dainikuttaranchaldeep.com

स्टेशन परिसर में पेयजल व अन्य सुविधाओं का अभाव

रामनगर : बसों की कमी, यात्रियों की फजीहत

रोडवेज स्टेशन में परेशान होते यात्री व चलती बस में खिड़की से बच्चे को सीट घेरने के लिये धकेलता यात्री। ● उत्तरांचल दीप

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रामनगर। भीषण गर्मी में यात्री बसों की कमी के कारण स्टेशन परिसर में यात्री परेशान दिखाई दिये। भीषण गर्मी में निगम द्वारा यात्रियों के बैठने व पेयजल की व्यवस्था ना होने पर भी कई यात्रियों ने निगम के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। कई यात्रियों ने बताया कि तपती धूप से चक्कर आ रहे हैं, लेकिन एसी में बैठने वाला शासन व प्रशासन मस्त है।

दिल्ली व इसके आसपास जाने वाले यात्रियों की संख्या में अचानक हुई बढ़ोत्तरी के चलते जहां एक ओर परिवहन निगम के अधिकारियों को भारी दिक्कतो का सामना उठाना पड़ा। वहीं दिल्ली रूट पर बसों की कमी के चलते यात्रियों को स्टेशन में बैठ कर घंटों बसों का इंतजार करना पड़ा। वर्तमान में पिछले कुछ दिनों से हो रही भीषण गर्मी से यात्री रोडवेज स्टेशन में परेशान होते हुये भी दिखाई दिये। स्टेशन में यात्रियों के बैठने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी, जिसके चलते कुछ यात्री तो तपती धूप में ही बस का इंतजार करते हुये दिखाई दिये तो कुछ यात्री निगम के अधिकारियों के कार्यालय के बाहर गैलरी में धूप से बचते हुये दिखाई दिये।

चिलचिलाती धूप में खासतौर पर मासूम बच्चे ज्यादा परेशान दिखाई दिये तो वहीं स्टेशन में यात्रियों के लिये पीने के लिये पानी भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध ना होने के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। कु छ बसें दिल्ली के लिये रवाना भी हुई लेकिन इन बसों में भी यात्री अपनी जान को दांव पर रखकर दिल्ली के लिये रवाना हुये।

यात्रियों की भीड़ से बढ़ी परेशानी

रामनगर। रामनगर रोडवेज स्टेशन के प्रभारी नवीन आर्या ने बताया कि स्टेशन में यात्रियों की अचानक भीड़ बढ़ गई, जिसमें ज्यादातर यात्री दिल्ली के शामिल थे। उन्होंने बताया कि रामनगर डिपो से हर रोज दिल्ली के लिये 17 बसें रवाना की जाती है लेकिन रविवार के दिन दिल्ली रूट पर यात्रियों की बढ़ती संख्या के देखते हुये डिपो द्वारा इस रूट पर छह अतिरिक्त बसों को रवाना किया गया।

पुलिस ने घर से भागे बच्चों को अपनों तक पहुंचाया

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

डोईवाला। ढालवाला (ऋषिकेश) पुलिस ने घर से पैसे चुराकर भागे बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया है।

आनंद बिहार, ढालवाला निवासी सिकंदर सिंह चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि उनका पुत्र मनीष चौहान (13) उनके किराएदार बृजमोहन भट्ट का पुत्र अरुण भट्ट (12) और उनके पड़ोसी शिवराज बिष्ट का पुत्र अनुराग बिष्ट (11) घर से साढ़े चार हजार रुपये चुराकर बिना बताए कहीं चले गए हैं। तहरीर के बाद ढालवाला चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने पुलिस की तीन टीमें बनाकर रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन आदि पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी बीच पुलिस को पता चला कि हेमंत कुमार चौधरी निवासी ढालवाला, मूल निवासी बिहार का भतीजा रोहित चौधरी पढ़ाई के कारण डांट खाने पर कहीं चला गया है।

पुलिस ने सबसे पहले हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर स्कूल बैग लेकर गुमशुम बैठे रोहित को बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद पुलिस को जांच में पता चला कि तीन बच्चों को शिवपुरी के आसपास देखा गया है। जिसकी सूचना आसपास के थानों में भिजवाई गई। थानाध्यक्ष देवप्रयाग विनोद सिंह राणा द्वारा ढालवाला पुलिस को बताया गया कि बछेतीखाल से 10 किलोमीटर दूर चमराडा देवी के मंदिर में तीन बच्चों को देखा गया है। जिसके बाद पुलिस ने तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने इस काम में सोशल मीडिया की मदद भी ली। ऑपरेशन स्माइल के तहत एसआई विनोद कुमार इससे पहले भी कई लापता बच्चों को उनके परिजनों से मिलवा चुके हैं। मुनि की रेती थानाध्यक्ष आरके सकलानी ने कहा कि बच्चों को बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

सराहनीय

■ घर से पैसे चुराकर बिहार के लिए थे भागे

एनसीसी कैडेट्स को दी यातायात नियमों की जानकारी

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

बागेश्वर। एनसीसी 81 यूके बटालियन का जवाहर नवोदय सिमार में कैंप जारी है। कैडेटों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इसके अलावा साइबर क्राइम से बचने के टिप्स भी दिए गए। कर्नल सिद्धार्थ और कर्नल रितेश ने कहा कि एनसीसी छात्र-छात्राओं को देश सेवा के गुर सिखाती है, वे शारीरिक रूप से मजबूत होते हैं।

उनमें देश सेवा का भाव पैदा किया जाता है। एनसीसी कैडेटों को प्रमाणपत्र भी दिया जाता है जो सेना और पुलिस में भर्ती होने के लिए उन्हें वरीयता देता है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट शिविर के दौरान सिखाई जा रही गतिविधियों को घर, गांव और शहर तक पहुंचाएंगे। जिससे स्वच्छ भारत अभियान के प्रति लोग जागरूक होंगे। थानाध्यक्ष बैजनाथ मदन लाल ने कैडेटों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाबालिग दुपहिया और अन्य गाड़ी नहीं चला सकते हैं। उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बैंक खातों की जानकारी अन्य किसी को नहीं दें। एटीएम नंबर और पासवर्ड दूसरे तक नहीं पहुंचे। फोन कॉल आदि भी खाते आदि की जानकारी नहीं दें। एनसीसी छात्राओं को महिला सशक्तिकरण और आत्मरक्षा के गुर सीखाए गए। नशे के दुष्प्रभाव बताए गए। इस मौके पर 466 एनसीसी कैडेट थे।

कैंटीन संचालक अवैध रूप से वसूल रहा पार्किंग शुल्क

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रामनगर। कोसी बैराज क्षेत्र में स्थित एक कैंटीन संचालक द्वारा सभी नियम कानूनों को ताक पर रखते हुये कैंटीन में आने वाले वाहनों से अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। कैंटीन संचालक द्वारा वाहनों से वसूले जा रहे शुल्क से सरकार व विभाग को हर रोज हजारों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचा रहा है।

ज्ञात रहे कि कोसी बैराज क्षेत्र में कुछ वर्षों पूर्व सिंचाई विभाग द्वारा बनाई गई कैंटीन का ठेका एक व्यक्ति को दिया गया है। उक्त व्यक्ति ने कैंटीन संचालन का कार्य किसी अन्य को सौंप दिया है। वर्तमान में कैंटीन चला रहे इस व्यक्ति द्वारा कैंटीन में विभाग के सभी नियम कानूनों को ताक पर रखते हुये अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग कराई जा रही है। इतना ही नहीं कैंटीन संचालक द्वारा वाहन पार्किंग के नाम पर वाहन स्वामियों से मोटा शुल्क भी वसूला जा रहा है। सूत्रों से पता चला है कि कैंटीन संचालक द्वारा लिया जा रहा पार्किंग शुल्क पूरी तरह गैर कानूनी है लेकिन इसके बावजूद भी वाहन स्वामियों से पिछले लम्बे समय से लगातार वसूला जा रहा है। वहीं विभाग इस ओर आंखें मूंदे हुए है। क्षेत्र के लोगो ने कैंटीन संचालक द्वारा वसूले जा रहे अवैध पार्किंग शुल्क पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कार्रवाई करने के साथ ही रोक लगाने की मांग की है।

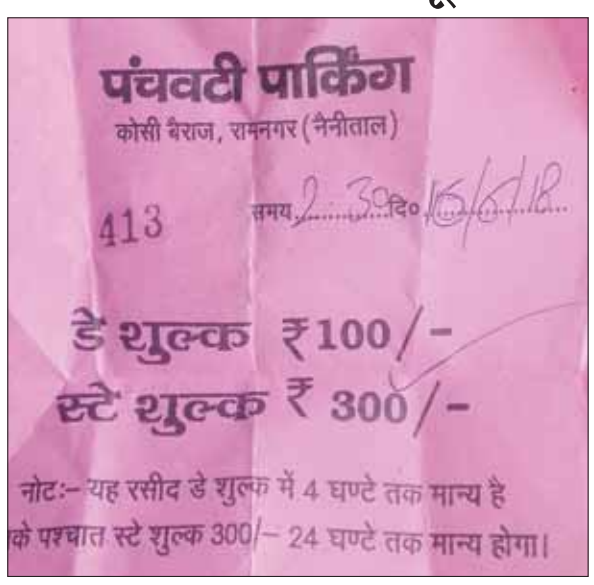

कैंटीन संचालक द्वारा काटी गई पार्किंग रसीद। ● उत्तरांचल दीप

अनदेखी

■ विभाग को लग रहा हर रोज हजारों का चूना

मामला सही पाए जाने पर होगी कार्रवाई

रामनगर। सिंचाई विभाग के ईई कैलाश उनियाल के संज्ञान में जब यह मामला डाला गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि कैंटीन संचालक द्वारा पार्किंग के नाम पर वसूला जा रहा शुल्क पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व में कैंटीन के ठेकेदार को दो बार विभाग द्वारा नोटिस भेजने की कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि अब भी इसी प्रकार शुल्क वसूला जा रहा है तो यह अपराध है इसकी जांच के बाद ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी और पुलिस मे रिपोर्ट की जाएगी।

NEWS / फटाफट

कार की टक्कर से बच्ची की मौत

रामनगर। सड़क पार कर रही नौ साल की बच्ची को कार चालक ने टक्कर मार दी। जिसको रामनगर चिकित्सालय से हॉयर सेन्टर रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। घटनाक्रम के अनुसार ग्राम टांडा निवासी राधिका यादव उम्र 9 साल पुत्री रवि यादव अपने रिश्तेदार के यहां टांडा आयी थी। राधिका टांडा में नेशनल हाईवे की सड़क पार कर रही थी। तो काशीपुर से रामनगर की ओर आ रही एक सेन्ट्रो कार ने उसको टक्कर मार दी। जिसमें राधिका बुरी तरह से घायल हो गयी। जिसको रामनगर चिकित्सालय लाया गया जहां उसकी हालत चिन्ताजनक होने पर उसको हायर सेन्टर रेफर कर दिया। जहां काशीपुर के चिकित्सालय में उसकी मौत हो गयी। उधर सूचना मिलते ही पीरूमदारा चौकी इंचार्ज कविन्द्र शर्मा ने कार को कब्जे में ले लिया है। जबकि कार चालक मौके से फरार हो गये।

पुताई करते श्रमिक गिरा, घायल

रामनगर। एक मकान में पाड़ बांधकर पुताई कर रहे एक श्रमिक पाड़ टूटने से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। घायल को रामगनर चिकित्सालय लाया गया, जहां उसकी हालत चिन्ताजनक होने पर उसको हायर सेन्टर रेफर कर दिया गया। घटनाक्रम के अनुसार मोतीमहल रामनगर निवासी हरीश जोशी पुत्र बचीराम जोशी पम्पापुरी में एक मकान पर पाड़ बांधकर काम कर रहा था कि अचानक से पाड़ टूट गयी। पेंटर हरीश नीचे जा गिरा, जिससे उसके सिर और कमर में गहरी चोट आ गयी। जिसको रामनगर चिकित्सालय लाया गया, जहां उसकी हालत चिन्ताजनक होने उसको हायर सेन्टर रेफर कर दिया गया।

पेड़ से गिरा वृद्ध, घायल

रामनगर। मवेशियों के लिये चारा काटने गया एक वृद्ध पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम बेतालघाट निवासी धर्मानंद 60 वर्ष पुत्र मनदेव सिंह मवेशियों के लिये चारा काटने के लिये एक पेड़ पर चढ़ा था। इसी बीच पेड़ से उनका पैर फिसलने के कारण वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया।

पति को पीटने का लगाया आरोप

रामनगर। एक महिला ने पति के साथ मारपीट कर उसे घायल करने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुये कार्रवाई करने की मांग की है। मोहल्ला खताड़ी निवासी मुस्कान पत्नी शरीफ अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रात उसके पति टैक्सी स्टैंड पर मौजूद थे तथा वह ड्राइवर हैं। इसी बीच गूलरघट्टी निवासी इमरान पुत्र अख्तर हुसैन ने उसके पति पर हमला करते हुये उसे घायल कर दिया तथा उसके पति का काशीपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। महिला का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके पति का मोबाइल फोन व 10 हजार रुपये की नगदी भी गिर गई। महिला ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

लावारिस हालत में चंद्रभागा के किनारे घूमता मिला बालक

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

डोईवाला। ढालवाला पुलिस को चंद्रभाग नदी के किनारे एक बालक लावारिस हालत में घूमता दिखाई दिया। बच्चे ने अपना नाम जतिन (11) पिता का नाम बलबीर और पता कूल्हू, हिमालच बताया। लेकिन कूल्हू पुलिस से संपर्क करने पर बालक के बारे में पता नहीं चल पाया।

जिसके बाद उसे बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। वहीं आनंद बिहार, ढालवाला में एक वृद्ध महिला को लावारिस हालत में घूमते पाया गया। पूछताछ में वो महिला पुलिस को कुछ नहीं बता पाई।

जिसके बाद उस महिला को तपोवन स्थित एक वृद्ध आश्रम भिजवाया गया।

सड़क के लिए अनशन व चक्का जाम करेंगे

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

अल्मोड़ा। सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन जारी है। वहीं शासन-प्रशासन स्तर से कोई कार्रवाई नहीं होने पर गहरा आक्रोश जताया। जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ग्राम प्रधान हिम्मत सिंह ने कहा दस वर्ष बीत जाने के बाद सुरईखेत तक सड़क का विस्तारीकरण नहीं हो पाया है।

इस कारण गांव में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को डोली के सहारे सड़क तक लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा वह सड़क की मांग को लेकर कई बार आंदोलन कर चुके हैं। लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन देकर उनकी हितों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीण बोले अब शासन प्रशासन की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क के लिए वह आमरण अनशन चक्का जाम व अनशन को बाध्य होंगे। इस मौके पर नवीन सिंह बिष्ट, रजत अधिकारी, विनीता, पूजा पांडेय, हंसी पांडेय, नवीन पांडेय, गौरव पांडेय, रजत अधिकारी, मनीषा अधिकारी, पुष्पा देवी, पार्वती देवी, गीता चौधरी, दीपा मठपाल, लाल सिंह, राधा किरौला, कमल सिंह, हुकम सिंह, लाल सिंह, विनोद सिंह, कुंदन सिंह, विनोद सिंह, हीरा सिंह, जोत सिंह आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में वाहनों में फंसे लोगों का जमकर निकला पसीना

कोसी बैराज में जाम से शहरवासी रहे परेशान

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रामनगर। नगर में हर रोज के जाम से क्षेत्र की जनता अब बुरी तरह परेशान होती दिखाई दे रही है। सुबह से लेकर दोपहर तक नेशनल हाईवे 121 व कोसी बैराज पर घंटों तक सैकड़ों वाहन जाम में फंसने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं जाम खुलवाने के लिये भी पुलिस को भी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उधर पहाड़ से मैदान की ओर लौटने वाले, पर्यटक वाहनों की भीड़ के कारण दिनभर रामनगर में जाम की स्थिति बनी रही।

कॉर्बेट सिटी रामनगर में जाम को लेकर भीषण गर्मी में लोग काफी परेशान हालत में दिखाई दिये। लेकिन शहर में हर रोज लगने वाले भीषण जाम से निजात दिलाने के लिये आज तक स्थानीय प्रशासन ने कोई भी ठोस योजना तैयार नहीं की है। जिस कारण यहां की जनता के साथ ही बाहरी क्षेत्र से आने वाले पर्यटकों को भी जाम में फंस कर इस समस्या से जूझना पड़ता है। जाम के चलते लखनपुर, रानीखेत रोड, कोसी बैराज, भवानीगंज, शिवलालपुर चुंगी पर सैकड़ों की संख्या में वाहन जाम में फंसे रहे। जाम के कारण वाहनों में सवार लोगों को भी घंटों तक तपती गर्मी में जहां एक ओर काफी देर तक इंतजार करना पड़ा तो वहीं इन मार्गों से पैदल गुजरने वालों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम खोलने को लेकर पुलिस को भी अपना खूब पसीना बहाना पड़ा। नगर में हर रोज लगने वाले जाम से अब क्षेत्र की जनता परेशान होती दिखाई दे रही है इसके लिये जनता ने सीधे तौर पर स्थानीय प्रशासन व पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अपना रोष जताते हुये मांग की है कि हर रोज के लगने वाले जाम से निजात दिलाएं।

रानीखेत रोड पर जाम में फंसे वाहन। ● उत्तरांचल दीप

प्रशासन नहीं बनाने दे रहा है भवन

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रामनगर। फल पट्टी में घोषित जमीन को 143 ना होने से नाराज एक युवक ने वकील के माध्यम से रामनगर एसडीएम पर 143 ना करने सहित अन्य आरोप लगाया है। रामनगर में आयोजित पत्रकार वार्ता में हल्द्वानी की एडवोकेट बीके शर्मा और नैनीताल के एडवोकेट पृथ्वीपाल सिंह रावत ने बताया कि फल पट्टी को लेकर 2002 में शासनादेश हुआ था कि यहां के 24 ग्रामों को फ्रूट बेल्ट को लेकर संरक्षण दिया गया था।

उन्होंने रामनगर एसडीएम पर आरोप लगाते हुए कहा ग्राम चिल्किया निवासी कुन्दन सिंह मेहरा पुत्र भूपाल सिंह मेहरा अपनी जमीन पर मकान बनावाना चाहता है जिसके लिये उसने अपनी भूमि को 143 कराने के लिये प्रार्थना पत्र दिया। लेकिन एसडीएम ने उसकी जमीन को 143 नहीं किया जबकि इससे पहले वही आसपास की भूमि में 143 हुए हैं। इस क्रम में उन्होंने बताया कि इस तरह से छोटे काश्तकार को परेशान किया जा रहा है जो कि अपनी ही जमीन पर अपने रहने के लिये मकान बनाना चाहता है तो उसको विभाग द्वारा परेशान किया जा रहा है। एडवोकेट बीकेशर्मा ने बताया कि इस मामले में उन्होंने रामनगर एसडीएम के खिलाफ हाईकोर्ट में मामला दिया है।

उधर इस मामले मे रामनगर एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर फलपट्टी की भूमि पर 143 पर रोक लगायी गयी है। जिसके चलते वर्तमान में फलपट्टी क्षेत्र में 143 की कार्यवाही नहीं की जा रही है। उन्होंने अधिवक्ताओं के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुये कहा कि यदि वह कोर्ट के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह सक्षम न्यायालय में अपील कर सकते हैं।